

## उत्तराखण्ड में भूमिअवतलन

### चर्चा में क्यों?

सूत्रों के अनुसार, उत्तराखण्ड [मानसून की वर्षा](#) के कारण बुरी तरह प्रभावित है, जिससे सड़कों और आवासीय भवनों को अत्यधिक नुकसान पहुँचा है।

- मानसून के आगमन के बाद से राज्य में लगातार वर्षा हो रही है, जिसके कारण [मौसम संबंधी चुनौतियाँ](#) बनी हुई हैं।

### मुख्य बड़ियाँ:

- कुंड-ऊखीमठ-चोपता-गोपेश्वर राजमार्ग पर कई भूस्खलन हुए हैं, जबकि कुंड में [मंदाकनी नदी](#) पर बना लोहे का पुल, जो रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड राष्ट्रीय राजमार्ग को केदारघाटी और केदारनाथ से जोड़ता है, नदी की तेज़ धाराओं के कारण [खतरे में है](#)।
- [राष्ट्रीय राजमार्ग नरिमाण प्रभाग](#) ने पुल नरिमाण स्थल का नरिक्षण किया और तत्काल पुल पर भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया।
- उत्तराखण्ड सरकार ने प्रभावित क्षेत्रों में [हाई अलर्ट जारी कर दिया है](#) तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिये आपातकालीन सेवाएँ तैयार रखी हैं।
- स्थिति पर बारीकी से नज़र रखी जा रही है तथा [नवासियों को अत्यधिक सावधानी बरतने की सलाह दी गई है](#)।

### मंदाकनी नदी

- यह उत्तराखण्ड में [अलकनंदा नदी](#) की एक सहायक नदी है।
- यह नदी [रुद्रप्रयाग](#) और [सोनप्रयाग](#) क्षेत्रों के बीच लगभग 81 किलोमीटर तक बहती है तथा [चोराबाड़ी ग्लेशियर](#) से निकलती है।
- मंदाकनी नदी सोनप्रयाग में सोनगंगा नदी से मलि जाती है और [ऊखीमठ में मध्यमहेश्वर मंदिर](#) के पास से प्रवाहित होती है।
- अपने मार्ग के अंत में यह अलकनंदा में मलि जाती है, जो [गंगा](#) में मलि जाती है।